श्री परशुराम कवचम्

(पूजा विधि सहित)

https://pdffile.co.in/

॥ श्री परशुराम कवच स्तोत्रम् ॥

कराभ्यां परशुं चापं दधानं रेणुकात्मजं ।
जामदग्न्यं भजे रामं भार्गवं क्षत्रियान्तकं ॥१॥
नमामि भार्गवं रामं रेणुका चित्तनन्दनं ।
मोचितंबार्तिमुत्पातनाशनं क्षत्रनाशनम् ॥२॥
भयार्तस्वजनत्राणतत्परं धर्मतत्परम् ।
गतगर्वप्रियं शूरं जमदग्निसुतं मतम् ॥३॥
वशीकृतमहादेवं दृप्त भूप कुलान्तकम् ।
तेजस्विनं कार्तवीर्यनाशनं भवनाशनम् ॥४॥
परशुं दक्षिणे हस्ते वामे च दधतं धनुः ।
रम्यं भृगुकुलोत्तंसं घनश्यामं मनोहरम् ॥५॥
शुद्धं बुद्धं महाप्रज्ञापण्डितं रणपण्डितं ।
रामं श्रीदत्तकरुणाभाजनं विप्ररंजनम् ॥६॥
मार्गणाशोषिताभ्ध्यंशं पावनं चिरजीवनम् ।
य एतानि जपेन्द्रामनामानि स कृति भवेत् ॥७॥
॥ इति श्री प. श्री वासुदेवानंदसरस्वतीविरचितं श्री परशुराम स्तोत्रं संपूर्णम् ॥

pdffile.co.in
https://pdffile.co.in/

॥ श्री परशुराम पूजा विधि ॥

- सर्वप्रथम स्नान आदि करके स्वच्छ हो जाएँ।
- तत्पश्चात एक लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाएँ।
- अब उस पर भगवान परशुराम की प्रतिमा व चित्र स्थापित करें।
- तदोपरान्त उन्हें धूप, दीप व नैवेद्य अर्पित करें।
- अब निम्नलिखित में से किसी भी एक मन्त्र का कम से कम 108 बार जाप करें।
- उसके पश्चात श्री परशुराम चालीसा का पाठ करें।
- अन्त में श्री परशुराम आरती का गायन करें तथा आशीर्वाद ग्रहण करें।

****

pdffile.co.in

https://pdffile.co.in/

pdffile.co.in

PDFfile is Created by –
https://pdffile.co.in/

https://pdffile.co.in/